This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **7698**

Unique Paper Code : **2443170003**

Name of the Paper : **DSE-III : History of Avanaddha Vadyas**

Name of the Course : **B.A. (H) HM/KM/PM**

Semester : **IV/VI/VIII**

Duration : **1 Hour** Maximum Marks : **30**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any *two* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

सभी प्रश्न समान अंक के हैं।

1. Discuss the importance of rhythm (Taal) in Avanaddha Vadyas with suitable examples.

   अवनद्ध वाद्यों में ताल के महत्व पर उपयुक्त उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

2. Explain the structure and playing techniques of Dholak and Mridangam.

   ढोलक एवं मृदंगम की संरचना एवं वादन शैली की व्याख्या कीजिए।

P.T.O.

3. Describe the contribution of Avanaddha Vadyas in Indian folk music traditions.

भारतीय लोक संगीत परंपराओं में अवनद्ध वाद्यों के योगदान का वर्णन कीजिए।

4. Write short notes on (any *two*) :

(*a*) Khol

(*b*) Naal

(*c*) Dundubhi

(*d*) Panava

किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*a*) खोल

(*b*) नाल

(*c*) दुन्दुभि

(*d*) पनव।